वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 276 | शनिवार 3 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से यूएन प्रतिनिधियों ने की मुलाकात

प्रदेश में पर्यटन विकास और महिला सशक्तिकरण पर मिलकर काम करने पर हुई चर्चा

जयपुर. शाबाश इंडिया

उप मुख्यमंत्री तथा पर्यटन और महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी से यूएन प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को सचिवालय स्थित उनके कक्ष में मुलाकात कर राजस्थान में पर्यटन के विकास की संभावनाओं, महिला सशक्तिकरण, एनीमिया की रोकथाम, लिंग भेद उन्मूलन तथा बालिका शिक्षा को बढ़ावा देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए जैसे बिन्दुओं पर चर्चा की। उप मुख्यमंत्री ने यूएन रेजिडेंट कॉर्डिनेटर शोम्बी शार्प, यूनिसेफ राजस्थान की चीफ फिल्ड ऑफिसर इसाबेल बारडेम तथा यूएन रेजिडेंट कॉर्डिनेटर कार्यालय की चीफ ऑफ स्टाफ राधिका कॉल बत्रा के साथ बैठक की। बैठक में यू एन और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के साथ समन्वय करके महिला सशक्तिकरण, एनीमिया, कुपोषण, पेयजल, प्रदेश के पर्यटन, कला, संस्कृति, हेरिटेज को बढ़ावा देने की सम्भावनाओं पर चर्चा की गई। आगामी दिनों में अगले स्तर की वार्ता कर कार्ययोजनाओं का निर्माण किया जाएगा। दिया कुमारी ने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप प्रदेश में आंगनबाड़ियों को सक्षम आंगनबाड़ी बनाने के लिए कार्य किया जायेगा। एनीमिया ग्रस्त एवं कुपोषण ग्रस्त पोकेट्स पर फोकस किया जायेगा। इसके साथ ही राजस्थान में पदस्थापित दस हजार साथिनों का क्षमतावर्धन किया जायेगा। साथिनों के जॉब रोल को फ्रंट लाइन वर्कर के रूप में सुदृढ़ किया जायेगा। बैठक में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सस्टेनेबल गोल को लक्षित कर कार्य हेतु चर्चा की गई। राजस्थान की शानदार अमूर्त सांस्कृतिक विरासत कला, संस्कृति, हस्त कला आदि को आगे बढ़ाना जरुरी है। आधुनिकीकरण के कारण कला संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत की अनदेखी हो रही है। राजस्थान और जयपुर में भी शानदार ऐतिहासिक विरासत है। विरासत को संरक्षण कैसे प्रदान किया जाए और इनको पर्यटन की दृष्टि से किस तरह आगे बढ़ाया जाए इस पर चर्चा की गई। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत कला संस्कृति, हस्त कला आदि को आगे बढ़ाया जाए। यू एन प्रतिनिधियों से जिओ हेरिटेज साइट विकसित करने, वर्ल्ड हेरिटेज साइट विकसित करने हेतु चर्चा की गई है।

संसदीय कार्य एवं विधि न्याय मंत्री की उपराष्ट्रपति से शिष्टाचार भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया। संसदीय कार्य एवं विधि न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

स्वर्गीय अशोक नेमिशा जैन की स्मृति में छात्रों को भोजन कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर स्थित छात्रावास के छात्रो को स्वर्गीय अशोक नेमिशा जैन की पुण्य स्मृति में भोजन कराया। छात्रावास के राहुल जैन ने बताया कि इसके पुण्यार्जक श्रीमती विद्या जैन, नरेंद्र - भाग्यश्री कोरेगावे निवासी थे।

श्रमण संस्कृति संस्थान के छात्रों को मोदी परिवार ने भोजन कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर स्थित छात्रावास के छात्रो को स्वर्गीय सिद्धांत मोदी की पुण्य स्मृति में भोजन कराया। छात्रावास के राहुल जैन ने बताया कि इसके पुण्यार्जक सुरेंद्र - सुलोचना, देवेंद्र - त्रिशाला मोदी, श्रीमती स्नेहलता, शशि गोधा ब्यावर वाले थे।

महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर द्वारा निशुल्क नेत्र एवं मेडिकल जांच शिविर का आज 3 फरवरी को होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर द्वारा निशुल्क नेत्र एवं मेडिकल जांच शिविर का आज 3 फरवरी को आयोजन होगा। ग्रेटर के सचिव राजेश बड़जात्या ने अवगत कराया कि निशुल्क नेत्र एवं मेडिकल जांच शिविर का आयोजन दिनांक 3 फरवरी को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 3:00 तक **ICD, CONCOR,** कनकपुरा में महावीर इंटरनेशनल, दिल्ली व महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर द्वारा आयोजित किया जा रहा है जिसमें सहाय हॉस्पिटल एवं इटरनल हॉस्पिटल के डाक्टर एवं उनकी टीम द्वारा निशुल्क नेत्र की जांच एवं बीपी एचडी ब्लड शुगर की जांच की जाएगी तथा शिविर में जेनरेटेड जेनेरिक दवाइयां व आँखों के चश्मो का वितरण भी किया जाएगा। ग्रेटर के सुरेश जैन बांदीकुई, सुनील बज, डॉ जी सी जैन सोगानी, अशोक सोगानी , महावीर सेठी, मोहन लाल गंगवाल, नीरज जैन, विनोद बड़जात्या, गिरीश जैन, सीमा बड़जात्या, सुमन बज, बीना सोगानी, मंजू पूरी, सुशीला बड़जात्या, आदि सदस्यों द्वारा शिविर व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया जायेगा।

श्री अनिल - श्रीमती अनिता जैन

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

Happy Anniversary

3 फरवरी' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

सचिव: राजेश - पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

जयपुर के दर्शनार्थियों ने कल्याणमंदिर तीर्थम की यात्रा की

''श्री 1008 मुनिसुव्रत'' भगवान के होंगे प्रथम महाभिषेक 4 फरवरी को

जयपुर. शाबाश इंडिया

अतिप्राचीन अतिमनोहारी, सर्वविग्नविनाशक, शनिअरिष्ट ग्रहनिवारक ,श्री 1008 भगवान मुनिसुव्रत नाथ की भूगर्भ से निकली प्राचीन प्रतिमा जी का मुंबई के निकट शाहपुर (ठाणे) में बसे मानस मंदिरम के निकट, प्रकृति की गोद में बसा ऐसा अलौकिक, अदभुत, अति सुरम्य, प्रकृति की अनुपम छटा बिखेरता ''कल्याणमंदिर तीर्थम'' जहा विराजमान होने जा रहे ''श्री 1008 मुनिसुव्रत'' भगवान। चिंतामणी पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारस विहार, मोहनपुरा, मुहाना मंडी, जयपुर के अध्यक्ष पवन कुमार गोदिका ने बताया कि भगवान के प्रथम बार ''महाभिषेक'' दिनांक 4 फरवरी 2024 दोपहर 1बजे ''देवश्रमण आचार्य श्री कुशाग्रनंदी गुरुवर्य'' के सानिध्य में होगा। उपरोक्त महाभिषेक में शामिल होने हेतु जयपुर के गुरुभक्त पवन-सरोज गोदीका, धनेंद्र-मीना गोदीका, नरेश-सुमन अजमेरा, रास्ते के विभिन्न मंदिरों के दर्शन करते हुए हम सभी गूरुभक्तो ने आज दिनांक 2.2.24 को मांगी-तूंगी की वन्दना एवं नीचे मांगी-तूंगी के पार्श्वनाथ भगवान के अभिषेक, शांति धारा करके पुण्य का संचय किया।

दीप प्रज्जवलन, पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट का सौभाग्य गंगवाल परिवार को मिला

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद । पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रचार प्रसार संयोजक संजय कुमार जैन ने बताया कि आज प्रातः आचार्य श्री विवेकसागरजी महाराज के प्रवचन से पूर्व पाद प्रक्षालन, चित्र दीप प्रज्ज्वलन, शास्त्रभेंट करने का सौभाग्य श्रीमती मोहिनीदेवी मातुश्री सुनील गंगवाल, कमल गंगवाल, धनेष गंगवाल,पंकज गंगवाल, सचिन गंगवाल, श्री मनोकामना ज्वैलर्स परिवार द्वारा किया गया तथा उनका समिति की ओर से साफा पहनाकर स्वागत अभिनंदन व महेश गंगवाल परिवार का भी अभिनंदन किया गया । तत्पश्चात वैशालीनगर महिला मंडल द्वारा सुन्दर मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। **-संजय कुमार जैन प्रचार संयोजक**

भारतीय जैन संघटना सहित 65 से ज्यादा संस्थाएं करेंगे सेवा निवृत्त पुलिस कमिश्नर श्री अजय तोमर का सम्मान

सूरत. शाबाश इंडिया

भारतीय जैन संघटना के तत्वावधान में सूरत शहर की तकरीबन 65 से अधिक सामाजिक, व्यवसाहिक, धार्मिक आदि संस्थाएं हाल ही में सेवा निवृत्त हुए पुलिस कमिश्नर श्री अजय कुमार तोमर के सम्मान में 4 फरवरी को शाम 7 बजे वेसु स्थित भगवान महावीर यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में कृतज्ञता ज्ञापन व सम्मान समारोह आयोजित किया गया है । जानकारी देते हुए संगठन के गुजरात प्रांतीय महासचिव संजय शाह चावत ने बताया कि सम्मान समारोह में भारतीय जैन संघटना, भगवान महावीर यूनिवर्सिटी, साकेत ग्रुप, फोस्टा, साउथ गुजरात टेक्सटाइल्स ट्रेडर्स एसोसिएशन, सूरत मर्कन टाइल एसोसिएशन, व्यापार प्रगति संघ, टेक्सटाइल्स युवा ब्रिगेड, राजस्थान युवा संघ, शान्तम, अग्रवाल प्रगति संघ, श्री एकल हरि, श्री श्याम सेवा ट्रस्ट, साधुमार्गी जैन संघ, वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ वेसु, विप्र फाउंडेशन, विप्र सेना, सेवा फाउंडेशन, महावीर इंटरनेशनल की मुख्य शाखा, मॉडल टाउन शाखा, साउथ वेस्ट शाखा, वीरा अभिलाषा, वीरा दृष्टि सहित पांचों शाखाएं, तेरापन्थ युवक परिषद, तेरापन्थ प्रोफेशनल फोरम, तेरापन्थ महिला मंडल, सूरत व पर्वत पाटिया शाखा, लॉयन्स क्लब ऑफ नाकोड़ा, लॉयन्स क्लब ऑफ क्रिस्टल, लॉयन्स क्लब ऑफ मिड टाउन, जे सी आई मेट्रो, अग्रवाल युवा शाखा, मारवाड़ी युवा मंच जागृति वेसु, श्री मूर्तिपूजक जैन युवा महासंघ, श्री सूरत जैन यूथ क्लब, ऑल इंडिया जैन कॉन्फ्रेंस, सकल दिगम्बर जैन समाज नानपुरा, अखिल भारतीय वैश्य फेडरेशन गुजरात प्रान्त, आध्यात्म चेतना चेरिटेबल ट्रस्ट, प्रेक्षा सेवा फाउंडेशन, राजस्थान जैन सेवा समिति, नाकोड़ा सोश्यल ग्रुप, जैन नवयुवक मंडल, क्षत्रिय राजपूत समाज, राजपुरोहित समाज, जाट समाज, सीरवी समाज, विश्वकर्मा समाज, तेली समाज, अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल समाज महिला इकाई, श्री अखिल भारतीय जीण माता सेवा संघ , श्री श्रीयादें प्रजापति समाज ट्रस्ट, सालासर हनुमान सेवा मंडल, स्मित लॉफिंग क्लब, मूवर्स चेरिटेबल ट्रस्ट, एक सोच एन जी ओ, केट लेडीज विंग, जैन साहित्य संगम, कनेक्ट पीपुल फाउंडेशन, सोनीपत समाज, वन स्टेप चेरिटेबल ट्रस्ट, डु बिफोर डाय, सेवा संकल्प आपका साथ, महावीर जनसेवा मिशन, श्री खंडेलवाल वैश्य समाज, आदि संगठन शामिल है। चावत ने बताया कि इस अवसर पर भारतीय जैन संघटना गुजरात प्रांतीय अध्यक्ष प्रो डॉ संजय जैन व सूरत शाखा अध्यक्ष श्री अजय अजमेरा भी मौजूद रहेंगे।

समाजशास्त्र विभाग की छात्राओं का ''दिव्य ज्योति विशेष विद्यालय'' का भ्रमण

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय की समाजशास्त्र विभाग की छात्राओं ने 2 फरवरी 2024 को ब्यावर की दिव्य ज्योति विशेष विद्यालय की संस्था - ''तारे जमीन पर'' पर का व्याख्याता दीपा मिस्त्री और डॉक्टर रीना ठाकुर के संरक्षण में भ्रमण किया। समाजशास्त्र के विषय में समाज में जाकर समाज की समस्याओं का अध्ययन करना आवश्यक होता है। विशेष बालकों को भी सामान्य बालकों की भांति इच्छाएं होती हैं, जिनको समाज के सब लोगों के सहयोग से पूर्ण किया जा सकता है। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डा. आर.सी. लोढ़ा ,अकादमी डीन नीलम लोढ़ा और समिति के मंत्री डा. नरेंद्र पारख ने विशिष्ट बालकों के लिए रंग-बिरंगे रंग, किताबें और खाने-पीने की सामग्री भी वितरित करवाई। छात्राओं को सामाजिक कार्यों में रुचि लेने तथा अपनी भागीदारी देने के लिए प्रेरित किया। दिव्य ज्योति विशेष विद्यालय संस्था-''तारे जमीन पर'' के अध्यक्ष विमल चौहान और उनके स्टाफ के सदस्यों ने छात्राओं तथा प्रवक्ताओं को विशेष बालको से मिलवाया तथा उन बालकों की विशिष्टताओं के बारे में विस्तार पूर्वक महाविद्यालय की छात्राओं को समझाया, छात्राओं ने भी विशिष्ट बालकों के साथ ड्राइंग, पेंटिंग ,व नाच-गाना करके उन बच्चों का प्रोत्साहन बढ़ाया। इस अवसर पर छात्राएं बहुत ज्यादा उत्साहित थी।

वेद ज्ञान

दुख स्वाभाविक है

संसार में सभी किसी न किसी कारण दुखी हैं। कोई अधिक, कोई अल्प। दुख स्वाभाविक है जब परिस्थितियां अनुकूल न हों, कभी स्थितियों पर हमारा वश नहीं होता अथवा उनके निदान के हमारे प्रयास विफल हो जाते हैं। वावजूद इसके, हमारे अधिकांश दुखों का कारण हम स्वयं हैं। मन में चल रहे विकार समाज और संसार को देखने का दृष्टिकोण बदल देते हैं। मन का अहंकार दूसरों की उपलब्धियां देख ईर्ष्या और क्रोध उत्पन्न करता है। मन में बसा लोभ कामनाओं की पूर्ति न होने से क्षोभ और निराशा को जन्म देता है। मनुष्य यह विश्वास कर ले कि वह किसी का भी भाग्यविधाता नहीं है, तो उसके दुख कम हो जाएंगे। यदि वह किसी को कुछ देने की स्थिति में है, तब भी वह दाता नहीं है। दाता एक ही है परमेश्वर। मनुष्य को तो उसने माध्यम बना रखा है। यदि ईश्वर किसी को देना चाहता है तो उसके पास माध्यमों का अभाव नहीं है। उसे देने से रोक लेने की सामर्थ्य भी किसी मनुष्य में नहीं है। मनुष्य का जन्म माता व पिता के संयोग से हुआ और पंच तत्वों से मिल कर उसका तन बना। इस तन में जीव का निवास परमात्मा की कृपा से ही हुआ। जीव के बिना तन निर्जीव है। तन तभी तक सजीव है जब तक परमात्मा उसमें जीव को स्थित किए हुए है। यह परमात्मा का सबसे बड़ा उपकार है। मनुष्य को तो प्रत्येक सांस हर पल के लिए परमेश्वर का आभारी होना चाहिए कि उसने इतनी सुंदर सृष्टि को देखने का अवसर दिया। परमात्मा की इस महान कृपा के अहसास के साथ जीवन जीने का आनंद ही कुछ और है। जिस परमात्मा ने जीवन दिया है वही इसका संरक्षण भी करेगा। जैसे मनुष्य अपनी बनाई कृतियों से प्यार करता है और उन्हें सुरक्षित रखने के प्रयास करता है, वैसा ही परमात्मा है। परमात्मा ने संपूर्ण सृष्टि की रचना की और उसे संभाल रहा है। सृष्टि के संचालन का सबसे मुख्य तत्व है संतुलन। जन्म और मृत्यु आदि सभी एक निश्चित नियम से आबद्ध हैं। मनुष्य यदि संयम और संतुलन को जीवन का तत्व बनाए तो जीवन सहज और आनंद से परिपूर्ण हो जाएगा।

संपादकीय

ज्ञानवापी विवाद!

वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर छिड़ा विवाद अब सुलझने की दिशा में बढ़ता नजर आ रहा है। वाराणसी की जिला अदालत ने ज्ञानवापी के व्यास तहखाने में पूजा-पाठ की इजाजत दे दी है। अदालत ने यह फैसला भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण विभाग यानी एएसआइ द्वारा पेश सबूतों के आधार पर सुनाया है। हालांकि मुसलिम पक्ष का कहना है कि एएसआइ की रिपोर्ट में ऐसी कोई बात नहीं कही गई है कि ज्ञानवापी मस्जिद का निर्माण

मंदिर के अवशेष पर हुई थी। मगर वाराणसी जिला अदालत ने प्रशासन से कहा है कि वह एक हफ्ते के भीतर वहां पूजा-पाठ की व्यवस्था कराए। दरअसल, व्यास पीठ पिछले तीस वर्षों से बंद था। हिंदू पक्ष का दावा है कि उससे पहले तहखाने में श्रृंगार गौरी की पूजा होती थी, मगर 1991 में जब पूजास्थल अधिनियम बना, तो राज्य सरकार ने उसे बंद करा दिया। दरअसल, हिंदू पक्ष ने दावा किया था कि ज्ञानवापी मस्जिद का निर्माण मंदिर तोड़ कर हुआ है, इसलिए उस पर उसे स्वामित्व दिलाया जाए। यह मामला लंबा खिंचता गया। करीब पांच वर्ष पहले फिर से दावा पेश किया गया, जिस पर त्वरित सुनवाई की व्यवस्था की गई। करीब दो वर्ष पहले अदालत ने ज्ञानवापी परिसर में एएसआइ से सर्वेक्षण कराने का आदेश दिया था। उस पर रोक लगाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय तक में गुहार लगाई गई, मगर अदालत ने सर्वेक्षण पर रोक से इनकार करते हुए कहा कि इस मामले का छह महीने के भीतर निपटारा हो जाना चाहिए, क्योंकि इससे दो समुदायों में तनाव बढ़ने का अंदेशा है। भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण विभाग के अध्ययनों में ऐसे कई प्रमाण मिले हैं, जिससे साबित होता है कि ज्ञानवापी की जगह पहले हिंदू मंदिर रहा होगा। बताया गया है कि उसमें शिवलिंग के अलावा कई हिंदू प्रतीक और शिलालेख मिले हैं। हालांकि मुसलिम पक्षकारों ने पूजास्थल अधिनियम का हवाला देते हुए पूरे विवाद को ही निरस्त करने की अपील की थी, क्योंकि उसमें कहा गया है कि 1947 के पहले से जो पूजा स्थल जैसे हैं, वे उसी स्थिति में रहेंगे। अयोध्या मामले को इससे अलग रखा गया था। मगर दिसंबर में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा कि उस अधिनियम के तहत अगर किसी जगह पर मंदिर है, तो वह मंदिर ही रहेगा और अगर मस्जिद है तो मस्जिद रहेगी। यानी एक परिसर में दोनों तरह की व्यवस्था नहीं हो सकती। चूंकि व्यास तहखाने में श्रृंगार गौरी की पूजा पुराने समय से होती आई थी, इसलिए ज्ञानवापी के पक्षकारों का दावा कमजोर पड़ गया। यह छिपा तथ्य नहीं है कि हमारे देश में आक्रांता शासकों ने अनेक पूजा स्थलों को ध्वस्त कर उनकी जगह अपने पूजा स्थल खड़े कर दिए। उनमें से अनेक के ऐतिहासिक साक्ष्य भी उपलब्ध हैं। उन पर स्वामित्व के दावे-प्रतिदावे किए जाते रहे, मगर धर्मनिरपेक्षता के संवैधानिक संकल्प की वजह से सरकारें उन मामलों में दखल देने से बचती रहीं। ज्ञानवापी मामले में भी यही रवैया देखा गया जबकि पूजास्थल किसी भी समुदाय की आस्था से जुड़े होते हैं, उनकी वजह से किसी भी प्रकार का विवाद या दो समुदायों के बीच तनाव की स्थिति ही क्यों बनी रहनी चाहिए।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

जमीन घोटाला मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गिरफ्तार

आखिरकार जमीन घोटाला मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर लिया। वे करीब छह महीने से पूछताछ से बचते फिर रहे थे। पूछताछ के लिए सात बार बुलाने के बाद भी वे ईडी के दफ्तर नहीं गए। ईडी ने खुद उनके दफ्तर जाकर पूछताछ की। अभी तक वे यही कह कर बचने का प्रयास कर रहे थे कि आरोपपत्र में उनका नाम नहीं है। मगर वे ईडी के सामने खुद को बेदाग साबित नहीं कर पाए। उनकी गिरफ्तारी से पहले जिस तरह उनके कार्यकर्ताओं ने शक्ति प्रदर्शन करने की कोशिश की, उससे फिर यही जाहिर हुआ कि राजनेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप अब दलगत रस्साकशी का विषय बनते गए हैं। जैसे ही एजंसियां किसी नेता के खिलाफ जांच शुरू करती हैं, उसे केंद्र सरकार की साजिश करार देकर एक तरह से संबंधित व्यक्ति को पाक-साफ करार देने की कोशिशें शुरू हो जाती हैं। सोरेन पर सेना के स्वामित्व वाली करीब साढ़े चार एकड़ जमीन की खरीद में घोटाले और धनशोधन का आरोप है। मंगलवार को दिल्ली में उनके आवास पर हुई छापेमारी में छत्तीस लाख रुपए नगद और एक महंगी बेनामी गाड़ी भी बरामद की गई थी। इस कार्रवाई के बाद सोरेन ने अपने विधायकों की बैठक बुला कर सरकार बचाने की रणनीति बनाने में जुट गए। रांची में ईडी के अधिकारी उनसे पूछताछ करते रहे और उनके कार्यकर्ता उनके घर के बाहर प्रदर्शन करते रहे। यह कोई पहला मामला नहीं है, जब किसी नेता से पूछताछ के समय इस तरह शक्ति प्रदर्शन और राजनीतिक नाटक किया गया। इस तरह अब आम लोगों में भी भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर सियासी रंग भर दिया गया है। इससे भ्रष्टाचार पर लगाम कसने और भ्रष्टाचारियों के प्रति समाज में नकार भाव पैदा करने में मुश्किलें पेश आती हैं। इस मामले में जांच के बाद चौदह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका था, जिनमें एक

भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी और एक राजस्व उपायुक्त भी शामिल हैं। किसी बेबुनियाद आरोप पर इतने लोगों की गिरफ्तारी तो नहीं हो सकती। अगर वे सचमुच बेदाग हैं, तो उनसे अपने पक्ष में सफाई पेश करने की उम्मीद की जाती थी। यह ठीक है कि कुछ मामलों में जांच एजंसियों के कामकाज के तरीके पर भी सवाल उठते रहे हैं, मगर इस आधार पर किसी को भ्रष्टाचार के आरोपों से बचाव का रास्ता नहीं मिल जाता।

बनावट,दिखावट व सजावट रखोगे तो जीवन मे गिरावट आती चली जायेगी : मुनि शुभानंद महाराज

आर्यिका आर्षमति के सानिध्य में हुआ 24 मंडलीय भक्तामर महाअर्चना विधान

कामा. शाबाश इंडिया

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति कामां के तत्वाधान में शांतिनाथ दिगंबर जैन दीवान मंदिर के प्रांगण में 24 मंडलीय भक्तामर विधान व दीप महाअर्चना कार्यक्रम युगल मुनि शुभानंद,ध्रुवानन्द व आर्यिका आर्षमती माताजी ससंघ सानिध्य में भक्तिभाव के साथ आनंदपूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जैन श्रावको को संबोधित करते हुए मुनि शुभा नंद महाराज ने कहा कि मनुष्य बनावट,दिखावट और सजावट में ही व्यस्त रहता है और उसके जीवन मे गिरावट प्रारम्भ हो जाती है अतः दिखावटी मत बनो करके दिखाओ। इस अवसर पर भक्तामर की महिमा का गुणगान करते हुए आर्यिका आर्ष मति माताजी ने कहा कि भक्तामर में 48 काव्य और प्रत्येक काव्य में 4 लाइन व प्रति लाइन 14 अक्षर मात्र अक्षर ही नही बीजाक्षर है जो अतुल शक्ति का संचार करते हैं। प्रत्येक दुख के निवारण व शांति प्राप्ति हेतु भक्तामर पाठ का जाप करना चाहिए। पंचकल्याणक समिति के प्रचार प्रभारी रवि जैन व युवा परिषद के अध्यक्ष मयंक जैन ने बताया कि 24 मंडलीय भक्तामर विधान में सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य वैभव जैन पूजा जैन बड़जात्या को प्राप्त हुआ तो वही ग्यारह सौ दीपो से पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की सफलता के लिये महाअर्चना की गई।

आर्यिका मुनि संघो का हुआ विहार

पंचकल्याणक समिति के महामन्त्री संजय जैन बड़जात्या के अनुसार युगल मुनि शुभा नंद व धुर्वा नंद महाराज का डीग एवं आर्यिका संघ का विहार तपोस्थली बोलखेड़ा के लिए हुआ। कार्यक्रम में युवा वर्ग ने संगीतकार दौलत जैन भरतपुर के संगीत पर जमकर भक्ति की गई। 24 परिवारों ने दीप प्रज्ज्वलित किये।

इनर व्हील क्लब कोटा नॉर्थ के चुनाव संपन्न

सर्वसम्मति से चुने गये पदाधिकारी

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा । इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ की सभा में सत्र 2024 - 25 के लिये नये पदाधिकारियों का चयन किया गया । अध्यक्ष अर्चना माथुर और सचिव डा विजेता गुप्ता ने बताया कि क्लब की साधारण सभा में 30 सदस्यों की उपस्थिति में सर्व सम्मति से जुलाई 2024 से शुरू होने वाले आगामी सत्र के लिए सात पदाधिकारियों का चयन किया गया । क्लब में सरिता बूटानी को अध्यक्ष, डा विजेता गुप्ता को सचिव, रजनी अरोड़ा को ट्रेजरर, शशि झवर को आई एस ओ, रेनू लालपुरिया को कॉर्डिनेटर, प्रमिला पारीक को वाइस प्रेसीडेंट, मधु बाहेती को ज्वाइंट सेक्रेट्री बनाया गया है।

मुनि संघ की आगवानी में नगरवासियों ने बिछाये पलक पावड़े

विधायक श्रीचंद कृपलानी ने लिया आशीर्वाद

मनोज सोनी. शाबाश इंडिया

निंबाहेड़ा। आदर्श कॉलोनी स्थित दिगंबर शांतिनाथ जिनालय की महाप्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम के निमित्त आए मुनिश्री विमलसागर महाराज संघ की आगवानी मे नगरवासियों ने पलक पांवड़े बिछाकर भावभीनी आगवानी की। समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी के अनुसार गुरुवार को दोपहर मे उदयपुर रोड स्थित सुरभि गार्डन की ओर से निंबाहेड़ा के अहिंसा सर्किल पर नगर आगमन पर दिगंबर मुनि श्री विमल सागर जी, अनंत सागर जी, धर्म सागर जी और भावसागर जी महाराज का उपस्थित जन समुदाय ने अगवानी कर आशीर्वाद लिया। मुनिवृंदो का विभिन्न जगहों पर पाद प्रक्षालन कर श्रद्धालुओं ने अपनी अपार भक्ति व आस्था प्रकट की । अहिंसा सर्किल से स्वागत जुलूस के रूप में

भक्ति गीत के साथ साथ धर्मावलंबियो ने नगर के मुख्य मार्गो और बाजारों को धर्ममय बना दिया। मुनिराजो को स्थानीय सरावगी गली स्थित आदिनाथ जिनालय के दर्शन उपरांत आदर्श कॉलोनी के मांगलिक भवन लाया गया साथ ही विहार सेवा समिति द्वारा सराहनीय सेवाएं दी गईं. इधर, मेवाड़ प्रेस क्लब के तत्वावधान में नगर के मीडियाकर्मियों ने भी महाराणा प्रताप कॉम्प्लेक्स पर मुनियों का प्रासुक जल से पद प्रक्षालन कर अपनी आत्मीयता को परिलक्षित किया। मांगलिक भवन में आयोजित धर्मसभा में दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष सुशील काला और महामंत्री मनोज पटवारी की अगुवाई में विविध समाज

के पदाधिकारियों सहित विधायक श्रीचन्द कृपलानी, वंडर सीमेंट समूह के विमल पाटनी, निर्मल जैन यूनिट हेड नितिन जैन, पूर्व विधायक अशोक नवलखा, जैन पत्रकार महासभा संयोजक मनोज सोनी, मेवाड़ प्रेस क्लब से मदननाथ सोनिगरा, एस.एस.अग्रवाल, अमित खंडेलवाल, राकेश पहाड़िया, नरेश मेनारिया, दिलीप पारख, दिलीप बक्सी सहित नगर के गणमान्य नागरिकों एवम् समाज जनों ने श्री फल अर्पित कर मुनि संघ से आशीर्वाद प्राप्त किया।

हाथों की ग्रीप आपकी सेहत का खोलेगी राज?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर। 9828011871

अगर आपके हाथों की पकड़ मजबूत नहीं है तो ये आपके बीमार होने का संकेत हो सकता है और बार-बार आपको अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ सकती है। ये हम नहीं बल्कि रिसर्च कह रही है। हाल ही में दिल्ली के डॉक्टरों द्वारा डा पीयूष त्रिवेदी द्वारा दी गई पब्लिश रिसर्च में बताया गया कि अगर आपके हाथों की ग्रिप सही नहीं है या धीरे-धीरे कम हो रही है तो आपको डायबिटीज, दिल की बीमारी, स्ट्रोक, किडनी और लिवर संबंधी बीमारी हो सकती हैं। कमजोर हड्डियों के साथ फ्रैक्चर और कुछ तरह के कैंसर का खतरा भी हो सकता है।आपके हथेली में मौजूद एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स कमजोर होकर तेज दर्द करने लग जाते है। हाल ही में दिल्ली के अपोलो अस्पताल के आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. राजू वैश्य और फोर्टिस अस्पताल सी डॉक डायबिटीज सेंटर के हेड डॉ। अनूप मिश्रा की इस रिसर्च को पब्लिश किया गया है। हाथों की पकड़ कमजोर होने को मेडिकल भाषा में 'सारकोपीनिया' बीमारी का नाम दिया गया है। इस बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति की मसल्स धीरे-धीरे कमजोर होने लगती हैं। ऐसे लोगों को दिल की बीमारी होने का खतरा भी ज्यादा रहता है। अब सवाल उठता है कि ये पता कैसे करें कि हमारी ग्रिप कमजोर पड़ने लगी है तो एक आसान तरीका है। अगर 45साल का पुरुष 28 किलो और महिला 18 किलो वजन उठाने या उसे होल्ड कर पाने में सक्षम नहीं है तो इसका मतलब है कि उनकी मांसपेशियां कमजोर नहीं हुई हैं। इसे और अच्छी तरह से समझने के लिए हड्डी रोग विशेषज्ञ हैंड ग्रिप टेस्ट कराने की सलाह देते हैं। ये टेस्ट एक डायनमोमीटर की मदद से किया जा सकता है, जिसे हाथ में पकड़ाकर उसकी ताकत का एक पैमाना स्केल पर नापा जा सकता है।

मसल्स को मजबूत कैसे करें

डॉ. पीयूष त्रिवेदी के मुताबिक, ऐसे लोगों को वजन पर कंट्रोल करना चाहिए। सैर करने के अलावा ऐसे मरीजों को रजिस्टेंस एक्सरसाइज करनी चाहिए, जिसमें वेट लिफ्टिंग और थेराबैंड यानी रबर की फ्लेक्सिबल रस्सी,एक्यूप्रेशर मैजिक बाल ,रोलर

की कसरत करवाएं। जैसे स्ट्रैप से हाथों की ग्रिप के लिए एक्सरसाइज करने की जरूरत होती है। इसके अलावा कुछ लोग प्लासनुमा डिवाइस से भी हाथों की एक्सरसाइज कर सकते हैं।

हैंड ग्रिप टेस्ट से भी स्वास्थ्य जांच

दरअसल सेहतमंद होने के चार खास पैमाने माने गए हैं। बॉडी टेम्परेचर यानी शरीर का तापमान जो सामान्य स्तर पर 98.6 F या 37 डिग्री सेल्सियस, ब्लड प्रेशर 120/80, सांस लेने की गति एक मिनट में 12 से 18 और हार्ट रेट 60 से 100 बीट्स पर मिनट होती है। इन चार के अलावा अब एक्सपर्ट्स शरीर में ब्लड शुगर और ऑक्सीजन की मात्रा को भी मानक मानने पर जोर देने लगे हैं। साथ ही हैंड ग्रिप टेस्ट को सातवें स्टैंडर्ड के तौर पर देखा जा रहा है। इसके जरिये ये पता चल सकेगा कि मरीज की सेहत का हाल क्या है। प्रकृति के नजदीक रहकर स्वस्थ रहना आसान है।

श्री अनिल जी जैन - श्रीमती अनीता जी जैन (नवकार किचन)

श्री अनिल जी जैन

अध्यक्ष: श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महासभा जिला जयपुर
अध्यक्ष: भारतीय जैन मिलन जिला जयपुर
सचिव: श्री दिगंबर जैन महा समिति राजस्थान अंचल जयपुर संभाग
सचिव: रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ
परम संरक्षक: अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जयपुर सेंट्रल यूथ विंग जयपुर
प्रोजेक्ट डायरेक्टर: चित्रकला प्रतियोगिता राजस्थान जैन ऑर्गेनाइजेशन
कार्यकारिणी सदस्य: जैन सोशल ग्रुप अरिहंत के
डायरेक्टर: नवकार किचन एंड हार्डवेयर

श्रीमती अनीता जी जैन

उपाध्यक्ष: सखी गुलाबी नगरी
उपाध्यक्ष: अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महिला विंग
सचिव: भारतीय जैन मिलन
उपसचिव: जैन सोशल ग्रुप जनक
सांस्कृतिक मंत्री: श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महासभा

Happy Anniversary

3 फरवरी

9530297446, 8955505482

को वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

शुभेच्छु: समस्त मित्रगण एवम परिवार जन

एक कामकाजी महिला दोहरे काम का बोझ कैसे उठाती है...

विजय गर्ग

आज के आधुनिक युग में हर लड़की उच्च शैक्षणिक योग्यता प्राप्त करने का प्रयास करती है। उसके माता-पिता भी चाहते हैं कि हमारी लड़की अच्छी पढ़ाई करे ताकि उसका भविष्य उज्ज्वल हो और वह एक आत्मविश्वासी और आत्मनिर्भर जीवन जी सके। आज अधिकांश लड़कियाँ अपने परिवार के सहयोग से अपनी योग्यता के अनुसार अच्छा पद एवं प्रतिष्ठा प्राप्त कर रही हैं। माता-पिता के सहयोग से लड़की का जीवन पहले की तरह चल रहा है, लेकिन शादी के बाद ससुराल में उसे कई परेशानियां होती हैं। समस्याओं का सामना करना पड़ता है. बाहर के काम के अलावा उसे बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी के साथ-साथ घर के हर सदस्य की खुशी और खुशहाली के बारे में भी सोचना पड़ता है। इस प्रकार, आज अधिकांश महिलाएँ इस दोहरे काम के बोझ के कारण तनाव से पीड़ित हैं। इस तरह उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य तो खराब होता ही है, साथ ही उनकी कार्यकुशलता, घरेलू जीवन और बच्चों पर भी असर पड़ता है। इसलिए जरूरी है कि अपनी व्यस्त जिंदगी के बावजूद भी वे अपने बारे में सोचें और अपने लिए समय निकालेंकाम करने की ताजगी और उत्साह हमेशा बना रहता था। इस तनाव से मुक्ति पाने के लिए सबसे पहली बात यह है कि अपने कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार करें और हर काम रुचिपूर्वक करें। सकारात्मक मानसिकता अपनाने से यह कभी भी बोझ नहीं बनेगा। इसके साथ ही घर और घर से बाहर किए जाने वाले कार्यों की योजना बनाकर समय का सदुपयोग करें। प्राथमिकता के आधार पर जो कार्य आवश्यक हो उसे पहले किया जाए। घर के काम-काज शाम को निपटा लें और अधिक से अधिक समय निकालकर बच्चों के स्कूल का काम भी समय पर निपटा लें तो अच्छा है।बच्चों की समस्याओं के प्रति सचेत रहें और उनका समाधान निकालें क्योंकि बच्चा मां से ज्यादा किसी से खुलकर बात नहीं करेगा। बेहतर होगा कि घर आ जाएं और ऑफिस का काम भूल जाएं। इससे शारीरिक और मानसिक शक्ति नष्ट नहीं होगी। शाम के समय पूरे परिवार को बैठकर हल्की-फुल्की बातें करनी चाहिए और मनोरंजन का कोई साधन ढूंढना चाहिए। अपने दिमाग को तरोताजा करने के लिए अखबार या किताब से दोस्ती रखें। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि टहलने और व्यायाम के लिए समय निकालें। तो फिर पिछवाड़े में बच्चों के साथ क्यों न खेलें?आना इस प्रकार जीवन की नीरसता से बचा जा सकता है।एक महिला को हमेशा छोटे बच्चों की देखभाल और घर में अकेले रहने की चिंता सताती रहती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप अपने परिवार के किसी बुजुर्ग सदस्य या रिश्तेदारों में से किसी भरोसेमंद व्यक्ति को साथ रखें। बच्चों की छुट्टियों के दौरान कहीं बाहर जाने का प्रोग्राम भी बनाना चाहिए। किसी भी कामकाजी महिला का बोझ कम करने में पूरा परिवार अहम भूमिका निभा सकता है। यदि उसे पूरा समर्थन, प्यार, उचित सम्मान, प्रशंसा और दयालु व्यवहार मिले तो उसकी सारी थकान दूर हो जाएगीजाता है सबसे अनिवार्य. पति का अगर पति-पत्नी हर पल एक-दूसरे की मदद करें और हर समस्या को धैर्य और लगन से सुलझाएं तो हर रास्ता मिल जाता है। अगर एक महिला बाहर काम करके घर में बराबर आय लाती है तो घर का सारा बोझ उस पर क्यों? एक आदमी को भी घर का सारा काम करने में सक्षम होना चाहिए। घर का काम करना अब मुश्किल नहीं है क्योंकि सभी घरों में बिजली के उपकरण होते हैं, बस समय की जरूरत होती है। ऐसा लगता है कि कुछ दशक पहले की तुलना में स्थिति बदल गई है। आज के युग में हर सुख-सुविधासाथ जीने और जीवन का आनंद लेने की अधिक इच्छा होती है घर की आमदनी बढ़ाने के लिए महिला का नौकरी करना जरूरी माना जाता है। इसलिए परिवार, खासकर पति उसका साथ दे रहा है, जो अच्छी बात है। महिला की समझ, सहनशीलता और मार्गदर्शन से ही घर सही ढर्रे पर चल सकता है। इसलिए अपनी इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प बनाए रखें, सभी चुनौतियों पर विजय प्राप्त करें और जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ें। अपने आप को दोहरे कार्यभार से मुक्त करें। इस तरह आप परिवार और संगठन के लिए अधिक क्रियाशील बने रहते हैंआप करने में सक्षम हो जाएंगे। निरंतर

विजय गर्ग: सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य शैक्षिक स्तंभकार मलोट

वो ढूंढे हैं फायदे...

आँखों से पर्दा उठा,
सीख मिली बेजोड़।
वो ढूंढे हैं फायदे,
तू ढूंढें है जोड़।।

ये भी कैसा प्यार है,
ये कैसी है रीत ।
खाया उस थाली करें,
छेद आज के मीत ।।

अपनों की जड़ खोदते,
होता नहीं मलाल ।
हाथ मिलाकर गैर से,
करते लोग कमाल ।।

कतर रहे हैं पंख वो,
मेरे ही लो आज ।
सीखे हमसे थे कभी,
भरना जो परवाज ।।

बदले आज मुहावरे,
बदल गए सब खेल ।
सांप-नेवले कर रहे,
आपस में अब मेल ।।

जीवन पथ पे जो मिले,
सबका है आभार ।
काँटे, धोखा, दर्द जो,
मुझे दिए उपहार ।।

जब तक था रस बांटता,
होते रहे निहाल ।
खुदगर्जी थोड़ा हुआ,
मचने लगा बवाल ।।

-डॉ. सत्यवान 'सौरभ'

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com